B-2
L-16
Ancient
India

बौद्ध धर्म

तृतीय बौद्ध संगीति :- (251 ई.पू.)

- स्थान - पाटलिपुत्र
- शासक - अशोक
- अध्यक्ष - मोग्गलिपुत्त तिस्स
- परिणाम - तीसरे पिटक, अभिधम्म पिटक की रचना

⇓

बौद्ध धर्म का दर्शन

* यह बैठक स्थविर लोगों ने बुलायी तथा अशोक भी स्वयं स्थविर का अनुयायी था।
* इस बैठक में अशोक ने राजकीय आदेश पारित किया था कि " जो व्यक्ति बौद्ध संघ में मतभेद उत्पन्न करेगा, उसे श्वेत कपड़ा पहनाकर संघ से बहिष्कृत कर दिया जायेगा।" यह बात सांची के लघु स्तंभ शिलालेख पर उत्कीर्ण है।

चतुर्थ बौद्ध संगीति (लगभग 100 ई.)

- स्थान - कश्मीर का कुण्डलवन
- संरक्षक शासक - कनिष्क
- अध्यक्ष - वसुमित्र, उपाध्यक्ष - अश्वघोष
- परिणाम - विभाषा शास्त्र की रचना
  बौद्ध संघ में द्वितीय विभाजन ① हीनयान ② महायान

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES

* हीनयान संप्रदाय

- वैभाषिक / प्रत्यक्षवादी → ग्रंथ - विभाषाशास्त्र
- सौत्रांतिक / अनुमानवादी → ग्रंथ - सुत्त पिटक

* महायान संप्रदाय

- माध्यमिक / शून्यवाद → जनक - नागार्जुन
- योगाचार / विज्ञानवाद → जनक - मैत्रेयनाथ → असंग और वसुबंधु ने माध्यमिक को लोकप्रिय बनाया।
- वज्रयान संप्रदाय -
  - महायान की शाखा
  - वाममार्गी
  - तारा देवी की पूजा
  - पुस्तक - आर्य मंजूश्रीमूल कल्प
  - जादू-टोना, तंत्र-मंत्र

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ सर्वप्रथम संस्कृत का प्रयोग किया गया। इसके कारण जनसामान्य बौद्ध धर्म से विमुख होने लगे।

हीनयान	महायान
लक्ष्य: निर्वाण प्राप्त कर अर्हत बनना	लक्ष्य: बोधिसत्व होना अर्थात निर्वाण प्राप्त कर लेने की प्रक्रिया
आदर्श: अर्हत, बुद्ध	
* बुद्ध को ईश्वर नहीं माना बल्कि प्रतीकों के रूप में बुद्ध की आराधना करते थे।	* बुद्ध को ईश्वर का रूप मानकर पूजा करते थे तथा मूर्तिपूजा का समर्थन करते थे।
* मूल भाषा - पालि	* मूल भाषा - संस्कृत
* न तो ईश्वर को और न ही आत्मा को मानते थे।	
* कर्म व पुनर्जन्म में विश्वास	

* कुछ बोधिसत्वों के नाम
  → अवलोकितेश्वर (पद्मपाणि)
  → वज्रपाणि
  → मंजूश्री
  → मैत्रेय (भविष्य का बोधिसत्व/बुद्ध)

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

बौद्ध धर्म का दर्शन

* बौद्ध धर्म में आत्मा एवं ईश्वर की परिकल्पना नहीं की गई है। अतः बौद्ध धर्म अनीश्वरवादी और अनात्मावादी है। इस अनात्मावादी को नैरात्मवाद भी कहा जाता है।
* बौद्ध धर्म पुनर्जन्म और कर्म में विश्वास रखता है।
* इसमें वेदों की सत्ता को अस्वीकृत किया गया है।
* बौद्ध धर्म में जाति व्यवस्था एवं वर्ण व्यवस्था को अस्वीकृत किया गया है।
* बौद्ध धर्म में मध्यम मार्ग की बात की गई है।
* बुद्ध जन्म से वर्ण की श्रेष्ठता को स्वीकार नहीं करते। बुद्ध के काल में वर्ण व्यवस्था टूट रही थी।
* बौद्ध धर्म की भाषा पाली है।
* बुद्ध के अनुसार, प्रतीत्यसमुत्पाद में क्षणभंगुरवाद का सिद्धांत समाहित है।

* कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

* बुद्ध के पंचशील सिद्धांत का वर्णन "छांदोग्य उपनिषद्" में मिलता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

* भारतीय दर्शन में तार्किकवाद की शुरुआत बौद्ध धर्म से होती है।

* शून्यवाद तथा विज्ञानवाद का प्रभाव शंकराचार्य के दर्शन पर भी पड़ा / अतः शंकराचार्य को "प्रच्छन्न बौद्ध" भी कहा जाता है।

* बौद्ध धर्म की सर्वाधिक महत्वपूर्ण देन भारतीय कला एवं साहित्य के विकास में रही है।

* सांची, भरहुत, अमरावती के स्तूप तथा अशोक के शिलास्तंभ एवं कार्ले, अजन्ता, बाघ एवं बराबर की गुफाएं बौद्ध धर्म की कला का श्रेष्ठतम उदाहरण है।

* दक्षिण भारत में मात्र में बुद्ध के अवशेषों पर एक प्राचीनतम स्तूप है जिसे मतस्तूप कहा जाता है।

* बुद्ध धर्म के अष्टांगिक मार्ग का स्रोत तैत्तिरीय उपनिषद् है।

*

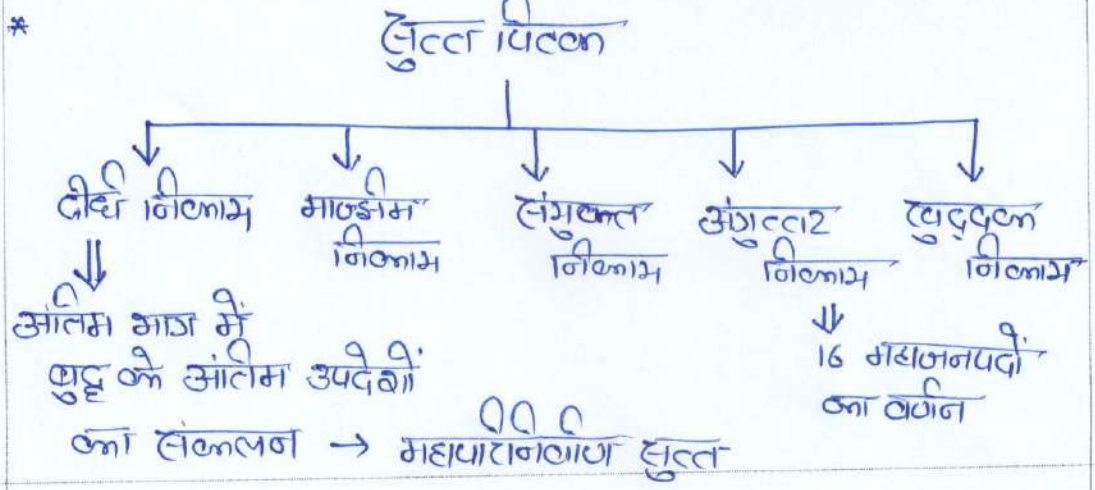

* खुद्दक निकाय का एक भाग जातक है जिसमें बुद्ध के पूर्वजन्मों की कहानियां संकलित हैं।
* थेरीगाथा मे भिक्षुणियों के गीतों का संकलन है जबकि थेरगाथा में भिक्षुओं के गीतों का संकलन है।
* विनयपिटक
  - सुत्त विभंग
  - खन्धक
  - परिवार
  - पातिमोक्ख / पातिमोक्ष
    ⇓
    विशेष अवसर पर पढ़ा जाता है जिसे उपोसथ कहा जाता है।
* दीपवंश और महावंश जो कि सिंहली अनुश्रुतियां हैं, इसमें अशोक का वर्णन है।
* बुद्ध के जीवन से संबंधित क्रमिक घटनाएं :

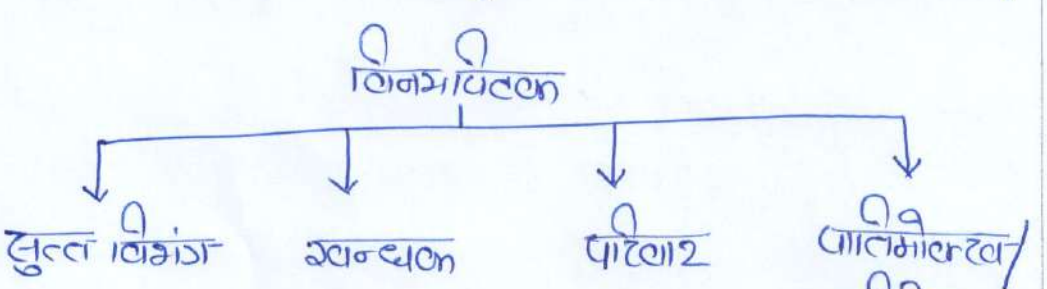

  लुम्बिनी (जन्म) ⟶ बोधगया (ज्ञानप्राप्ति) ⟶ सारनाथ (प्रथम उपदेश) ⟶ कुशीनारा, पावा (मृत्यु)
* बुद्ध के जीवन से जुड़े 8 स्थल:

  लुम्बिनी, बोधगया, सारनाथ, कुशीनारा, श्रावस्ती, सांकिशा, राजगृह, वैशाली

  ⇓

  ये सभी अष्टमहास्थान हैं।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

* महायान संप्रदाय का सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथ प्रज्ञा-पारमितासूत्र है।

* बौद्ध धर्मग्रंथों के महान टीकाकार बुद्धघोष हैं। इन्होंने महान बौद्ध ग्रंथ विशुद्धिमग्ग की रचना की जिसे बौद्ध धर्म का लघु विश्वकोष अथवा त्रिपिटक की कुंजी कहा जाता है।

* नागसेन और ग्रीक शासक मिनाण्डर (मिलिन्द) के बीच संवाद का संकलन "मिलिन्दपन्हो" नामक पुस्तक में है। यह संवाद प्रश्नोत्तरी के रूप में है। मिनाण्डर नागसेन के प्रभाव से बौद्ध धर्म स्वीकार कर लेता है।

KGS IAS

* अश्वघोष एक बौद्ध विद्वान, संगीतकार, दार्शनिक, धर्म प्रचारक, कथाकार, नाटककार एवं नीतिशास्त्री थे। इनकी तुलना मिल्टन, कांट, वाल्टेयर आदि से की जाती है।

* नागार्जुन ने प्रथम सदी ई. में चीन जाकर बौद्ध कृतियों का चीनी भाषा में अनुवाद किया।
* चन्द्रगोमिन, बौद्ध साहित्य के व्याकरणाचार्य हैं।
* गृहस्थ जीवन में रहकर बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों को उपासक कहा जाता है।

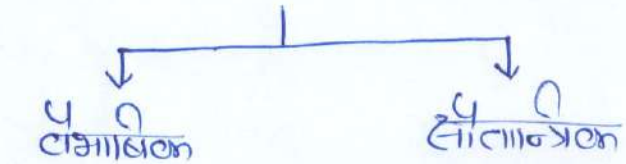

* हीनयान संप्रदाय
  * वैभाषिक
  * सौत्रान्तिक

वैभाषिक

⇓

इस मत की उत्पत्ति कश्मीर में हुई

⇓

प्रमुख आचार्य - वसुमित्र, बुद्धदेव, धर्मत्रात, घोषक

* बौद्ध धर्म को संरक्षण देने वाले शासक:
  अशोक, मिनाण्डर, कनिष्क, हर्षवर्धन, पालशासक
* महायान परोपकार एवं जनसेवा पर बल देता है।
* लोकोत्तरवाद बौद्ध धर्म का एक सम्प्रदाय है, जिसमें आत्मा के अस्तित्व को स्वीकारा गया है।

* बौद्ध धर्म से संबंधित घटनाएं एवं प्रतीक

घटना	प्रतीक
जन्म	कमल एवं सांड
गृहत्याग	घोड़ा
ज्ञान प्राप्ति (निर्वाण)	पीपल
मृत्यु	स्तूप
प्रथम उपदेश	चक्र
बुद्ध के बताए रास्ते पर चलना	पद चिन्ह

KGS IAS